

समय तथा गति अध्ययन में समय तथा गति
 उत्पादक विधि तथा प्रक्रिया का सूक्ष्म अध्ययन
 तथा समय संशोधन के प्रयोज्य को ही कहा
 होता है।

समय अध्ययन के तद्विगत उत्पाद सम्बन्धी
 विभिन्न गतिविधियों पर व्यय हो रहे समय की
 माप की जाती है और प्रमुखी में समस्त
 विवरण इन अध्ययनार्थि क्रमबद्ध किया जाय है। ऐसी
 उपयोग दत्त उत्पाद विंडी स्थापित करते तथा जमि
 पूर्ण करते पूर्ण करते के निम्न मात्रक समय का
 निर्धारण करते हैं अधिकतर किया जाता है।

- (1) काम तथा समय को व्यय या अनुपयोगी होने से रोका
 जाता है।
- (2) श्रमिक, क्रम परिवर्तन तथा घमास हैं अधिक उत्पादक
 करते का सामर्थ्य प्राप्त होता है।
- (3) क्रम या प्रयास शक्ति को उपयोगी तथा अनुकूल
 मार्ग पर संयोजित किया जाता है।